

आयो नंद घर नंदना

आयो नंद घर नंदना

चलो चलो सखी दर्शन को नंद बाबा के अंगनां।
आयो नंद घर नंदना, आयो नंदनां, नंद घर नंदनां ॥

ढोटा जायो यशोदा मैया।
मिल गए बलदाउ को भैया ॥
ब्रजभूमि में नर नारायण, झूल रहा है पलनां ०

काली रात ने असर कर डाला।
जन्म लेते ही हो गया काला ॥
गोरे नंद यशोदा गोरी, मिले रूप और रंग नां ०

गोप गोपियां गोप माताएं।
गीत खुशीयों के झूम झूम गाएं ॥
बजी बधाई बाजे गाजे, महक उठा नंद भवनां ०

चन्द्र वंश का श्याम सिलोनां ।
बड़ा ही सुन्दर 'मधुप' मन मोहनां ॥
दर्शन पावो मंगल गावो, आज हरि के अंगना ०

कवि : [सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' \(मधुप हरि जी महाराज\) अमृतसर \(9814668946\)](#)

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36663/title/aayo-nand-ghar-nandna>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |